श्री जसवंत सिंह: वह जो माननीय सदस्य ने पूछा है, I will answer that. ...(*Interruptions*)...

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ: Sir, I have a very ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, यूं मैं अलाऊ नहीं करूंगा I won't allow it. ...(*Interruptions*)...

SHRI JASWANT SINGH: I think the issue of defreezing relates to the State Government. It is really a State Government issue. I can't encroach on their territory.

SHRI GHULAM NABI AZAD: Sir, what about Telecommunications, Radio, Banking etc.?

SHRI JASWANT SINGH: I was coming to it. But such aspects as are dealt by the Centre; I will consult all the concerned Ministries and fully examine and find an answer to this aspect also.

MR. CHAIRMAN: Question No. 366.

उत्तरांचल में हवाई अड्डे

*366. **श्री हरीश रावत:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तरांचल में कितने हवाई अड्डे हैं;

(ख) क्या इन हवाई अड्डों से नियमित उड़ानें उपलब्ध हैं;

(ग) यदि नहीं, तो क्या इस राज्य के हवाई अड्डों में से एक का विस्तार करके वहां से नियमित यात्री उड़ानें शुरू करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन): (क) से (घ) एक विवरण-पत्र सभा के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण उत्तरांचल राज्य में देहरादून तथा पंतनगर हवाई अड्डों का रखरखाव करता है।

(ख) इस समय मैसर्स जैगसन एयरलाइंस देहरादून से/तक के लिए सप्ताह में तीन उड़ानें प्रचालित कर रहा है।

(ग) और (घ) एबी-320 प्रकार के जहाज चलाने योग्य बनाने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण देहरादून हवाई अड्डे को बढ़ाने की योजना बना रहा है। जहां तक पंतनगर हवाई अड्डे का संबंध है, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की उड़ानों के गैर प्रचालन की वजह से कोई तत्काल विकास योजना नहीं है। तथापि, राज्य सरकार के अनुरोध पर, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एबी-320 किस्म के विमानों के प्रचालन के लिए भावी विस्तार हेतु अतिरिक्त भूमि की जरूरत का मूल्यांकन करने के लिए निरीक्षण किया था। एयरलाइनें यातायात मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर खास-खास स्थानों पर हवाई सेवाएं प्रदान करती हैं, बशर्ते कि उन मार्ग संवितरण मार्गदर्शी सिद्धांतों का अनुपालन किया जा रहा हो जिनके अनुसार विभिन्न श्रेणी के मार्गों पर कुछ कम से कम प्रचालन किए जाने होते हैं।

Airports in Uttaranchal

†*366. SHRI HARISH RAWAT: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the number of airports in Uttaranchal;

(b) whether regular flights are available from these airports;

(c) if not, whether there is any proposal to expand one of the airports of the State and start regular passenger flights from there; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Airports Authority of India (AAI) maintains Dehradun and Pant Nagar airports in the State of Uttaranchal.

(b) At present, M/s Jagson Airlines is operating three flights per week to/from Dehradun.

†Original notice of the question was received in Hindi.

(c) and (d) AAI has plans to expand Dehradun airport to make it suitable for operation of AB-320 type of aircraft. As regards Pant Nagar airport, AAI has no immediate development plan due to non-operation of flights. However, at the instance of the State Government, Airports Authority of India had conducted inspection for assessing the requirement of additional land for future expansion for operation of AB-320 aircraft. Airlines provide air services to specific places depending upon the traffic demand and commercial viability subject to compliance of route dispersal guidelines, which provide for certain minimum operations on various category of routes.

श्री हरीश रावत: सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि वे देहरादून एयरपोर्ट का एक्सपेंशन करने जा रहे हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि यह एक्सपेंशन वर्क कब तक स्टार्ट हो जाएगा और इस पर कितना पैसा खर्च करने जा रहे हैं? माननीय मंत्री जी इस बात से सहमत होंगे कि सवाल सिर्फ उन क्षेत्रों में एयरपोर्ट के एक्सपेंशन का नहीं है बल्कि वहां पर हवाई सेवाओं को प्रारंभ करने का भी सवाल है। ऑपरेटर्स वहां हवाई सेवा इसलिए ऑपरेट नहीं करना चाहते हैं क्योंकि वे कहते हैं उन्हें यहां हवाई सेवाएं इकानॉमिक नहीं पड़ती हैं।

श्री सभापति: सीधे प्रश्न पूछ लीजिए।

श्री हरीश रावत: वहां हवाई सेवाएं आर्थिक रूप से सक्षम हो सकें इसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी हैन्डिलिन्ग के या जो अन्य चार्जेस लगाती है, क्या आप उन्हें वेव करेंगे या समाप्त करेंगे?

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन: सभापति जी, हमने प्रश्न के जवाब में कहा है कि उत्तरांचल में दो ही एयरपोर्ट हैं जिन्हें एयरपोर्ट अथॉरिटी मेन्टेन करती है। ये देहरादून और पंतनगर में हैं। हमारी देहरादून एयरपोर्ट को बनाने की योजना है। हमारी मुख्यमंत्री जी से बातचीत हुई है। इसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अपने बजट में सत्तर करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। हम रनवे को चार हजार से सात हजार पांच सौ फुट का करने जा रहे हैं। इसके लिए एक सौ अठावन एकड़ जमीन की जरूरत है। इस संबंध में राज्य सरकार ने हमें सूचित किया है कि अभी तक एक सौ सैंतीस एकड़ जमीन उपलब्ध करा ली गई है। जैसे ही हमें एक सौ अठावन एकड़ जमीन मिल जाएगी हम देहरादून एयरपोर्ट का विस्तार करेंगे और जब उस एयरपोर्ट का विस्तार होगा तभी इंडियन एअरलाइन्स या कोई प्राइवेट एअरलाईन वहां पर जहाज ले जाने की स्थिति में होगी।

श्री हरीश रावत: सर, हिमालय से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता शायद ही किसी दूसरे क्षेत्र में हो और हिमालय के जिन क्षेत्रों में हवाई पट्टियां हैं, जैसे पंतनगर का आपने जिक्र किया और जिक्र करते हुए आपने कहा कि उसके विस्तार की कोई योजना नहीं है, उसी प्रकार से पिथौरागढ़ में है, चिनियाली सौड़ में है। ये सारे एरियाज़ ऐसे हैं जहां हवाई पट्टियां हैं। क्या यहां आप सर्वेक्षण करवायेंगे और इन हवाई पट्टियों का विस्तार करेंगे ताकि रेगुलर सर्विसेज़ प्रारंभ की जा सकें?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: हमने पंतनगर के एअरपोर्ट के लिए एक टीम भेजी थी जो कि सर्वे करके आई है, लेकिन किसी एअरलाइन ने पंतनगर जाने की हम से गुजारिश नहीं की है। जब भी हम किसी एअरपोर्ट में इन्वेस्टमेंट करते हैं तो उसमें एअरलाइन्ज़ से जरूर पूछते हैं कि क्या वे वहां जाना चाहती हैं। जो पिथौरागढ़ आदि के बारे में आपने कहा है तो वे राज्य सरकार के एअरपोर्ट हैं। राज्य सरकार अगर उन्हें डिवेलप करना चाहती है तो हम एअरपोर्ट की अथॉरिटी की तरफ से पूरी टैक्नीकल सपोर्ट देने को तैयार हैं।

Inter-State water dispute between Orissa and Chhattisgarh

*367. SHRI SURENDRA LATH: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the Inter-State dispute between Orissa and Chhattisgarh on sharing the water of Mahanadi and Indravati; and

(b) if so, the details of the steps taken by the Central Government to settle the Inter-State water dispute?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI ARJUN CHARAN SETHI): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) No complaint under the Provisions of Inter-State River Water Disputes (ISRWD) Act, 1956, from the States of Orissa or Chhattisgarh has been received by the Central Government about